खाद व्यापारी के घर डकैती, आरोपी फरार

लुटेरों से 20 मिनट जूझता रहा व्यापारी

छत्तीसगढ़ संवाददाता

खैरागढ़, 29 जुलाई। धरमपुरा निवासी खाद व्यापारी के घर घुसकर अज्ञात लोगों ने डकैती की वारदात को अंजाम दिया। फिल्मी अंदाज में घुसे चोरों ने पहले व्यापारी की पत्नी को बंधक बनाया फिर व्यापारी द्वारा बचाव की कोशिश करने पर उस पर चाकू से हमला कर दिया।

नगर के अंतिम छोर पर सुनसान इलाके पर बसे धरमपुरा वार्ड के खाद बीज व्यापारी इन्दरचंद जैन के निवास से लगी दुकान में मंगलवार 26 जुलाई की रात तकरीबन 10 बजे तीन अज्ञात चोरो ने चोरी छिपे दबिश दी। घात लगाकर बैठे दो चोरो ने पहले व्यापारी की पत्नी श्रीमती कांति बाई को बंधक बना लिया। चोरो को सामने देखकर कांतिबाई ने शोर मचाकर अपने पति इंदरचंद को आवाज लगाई जिसके बाद व्यापारी अपने साहस का परिचय देते हुये दोनो लुटेरो से लड़कर अपनी पत्नी को छुड़ाने में कामयाब रहा लेकिन मौके की फिराक में छिपे एक और लुटेरे ने चाकू से इंदरचंद को घायल कर दिया। जिससे उसे गंभीर चोटें आयी हैं। बावजूद इसके व्यापारी अकेले ही लगभग 20 मिनट तक लूटेरों से संघर्ष करता रहा। आखिर में धारदार हथियार के बूते जान का खतरा दिखाकर लुटेरों ने उनके गल्ले से लगभग 12 हजार लूट लिए। बताया जा रहा है कि लुटेरों की उम्र 25 से 35 वर्ष के बीच है और वारदात को अंजाम देने तीनों ने मुंह में कपड़ा लपेट रखा था। घायल व्यापारी इन्दरचंद जैन ने बताया कि संघर्ष के दौरान उसने दो लूटेरों के चेहरें से नकाब हटा लिया था। व्यापारी ने दावा किया है कि सामने आने पर वह अपराधियों को पहचान सकता है। बहरहाल घायल व्यापारी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे भिलाई के सेक्टर-9 अस्पताल में दाखिल करा दिया गया है।

पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ होगा आंदोलन

विगत एक माह से खैरागढ़ नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में चोरी, लूट-पाट, मारपीट सहित अन्य प्रकार की घटनाओं में हुई वृद्धि को लेकर व्यापारियों सहित आम जनता ने चिन्ता व्यक्त करते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालियां निशान लगाया हैं। कुछ दिन पहले जॉलबांधा में चोरी हुई तथा उसके बाद खैरागढ़ में कई घटनाएँ हुई। 21 जुलाई तारीख बुधवार को इतवारी बाजार के सार्वजनिक चौक पर एक युवक से मारपीट की गई जो बाद में फांसी पर झूला हुआ पाया गया। इस घटना को बीते ज्यादा दिन नही हुआ था और मंगलवार की रात एक और घटना व्यापारी के साथ मारपीट कर लूट की घटना घट गई वहीं इन घटलाओं से क्षुब्ध ब्यापारियों ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम की बात कही है। व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजेष पोटानी ने कहा कि आजकल नगर में सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो गई है तथा रात्री कालीन गष्त भी कम होती है जिससे पुलीस की विसिल सुनाई नही देता। अध्यक्ष ने कहा कि व्यापारी के घर हुई घटना के आरोपियों को यदि षीघ्र गिरफ्तार नही किया जाता है तो जनता के सहयोग से आन्दोलन के लिए बाध्य होगें। व्यापारी संघ के सह-सचिव प्रकाष सिंह बैस ने कहा कि अफसर सहित पुलिस वालों का ध्यान सुरक्षा व्यवस्था की ओर से हट गया है तथा वे अपने नीजि मामलों में ज्यादा व्यस्त रहते हैं। कारण कुछ भी हो लेकिन इन दिनों नगरवासि अपने को असुरक्षित महसूस करते हुए अपराधियों की धरपकड़ व सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही है।

नहर बीच में धंसी, 17 किमी पानी जाना बंद

छत्तीसगढ़ संवाददाता

बैकुंठपुर, 29 जुलाई। गेज लघु सिंचाई परियोजना से निकलने वाली नहर का पानी बांध से निकलकर कुछ दूरी पर नहर के नीचे से फूटकर लगातार बह रहा है, जिससे उसके आगे लगभग 17 किमी नहर में पानी नहीं जा पा रहा है, इससे लाभांवित होने वाले सैकडों किसान परेशान है। परन्तु स्थानीय प्रशासन द्वारा अभी तक न तो नहर को बांधने का कोई प्रयास किया गया, न तो नहर का पानी बंद किया गया है। कई शिकायतों के बाद आज तक मौके पर भी कोई अधिकारी नहीं पहुंचा है।

जिले में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी सूखें की स्थिति दिख रही है। फसलों को पानी की जरुरत है और नहर से निकलने वाला पानी बेवजह बह जा रहा है जिसे कोई देखने वाला नहीं है। किसानों की आवाज पर सिंचाई विभाग के अफसरों की नींद नहीं तोड़ पा रही है। इस सिलसिले में अनुविभागीय अधिकारी एम एल सोनी का कहना है कि उन्हें इस बारे में ज्यादा नहीं मालूम है। हालांकि उन्होंने क्षेत्र के उपयंत्री जे के साहू को तत्काल जाकर नहर को दुरूस्त करने और गेज बांध से नहर के पानी रोकने के निर्देश भी दिये। उन्होनें कहा कि जगह-जगह टूटी नहर के पुर्ननिर्माण के लिए प्रस्ताव बनाकर जिला प्रशासन को वे जल्द भेजेगें।

जिला मुख्यालय स्थिज गेज लधु सिचाई परियोजना से निकलने वाली नहर जो ग्राम पंचायत आनी, भांडी, कसरा, नागडोली, कंचनपुर, बसदेवपुर, आमापारा, केनापारा, नरसिंहपुर, पतरापाली, बड़गांव, सत्तीपारा, बरपारा के साथ साथ कई आश्रित ग्रामों के किसानों के खेतों को जीवन देती है। प्रतिवर्ष इन क्षेत्रों में नहर के कारण यहां कि किसानों को काफी लाभ मिलता रहा है। छत्तीसगढ़ संवाददाता ने जब किसानों की शिकायत के बाद नहर को दौरा किया तो पाया कि नहर रखरखाव के अभाव में कई जगह टूट गई है। नहर की सफाई नहीं होने के कारण कई स्थानों पर नहर जाम हो गई है। इसके अलावा नहर के बीचों बीच लगी घास व पेड़ों ने पानी के बहाव को रोक दिया है जिससे पानी आगे अन्य ग्रामों तक जिस मात्रा में पहुंचता था अब बंद हो गया है। ग्राम नागडोली के पास रतनलाल पैकरा के खेत में पास नहर नीचे से फूट गयी है जिससे सारा पानी नीचे के रास्ते बह जा रहा है, ऐसा लगभग एक माह से जारी है। पानी जो किसानों के लिए छोड़ा जा रहा है वो बेवजह बह जा रहा है जिसे कोई देखने ना रोकने वाला है। यहां पानी के बह जाने के कारण नागडोली के आगे लगभग 17 किमी नहर में पानी नहीं जा रहा है, आगे नहर एकदम सूख गयी है। जिससे किसान आक्रोशित है। इस स्थिति में टेल तक पानी पहुंच ही नही पा रहा है।

दो साल में नहीं बन सका पुल तक पहुंच मार्ग

छत्तीसगढ़ संवाददाता

चनवारीडांड़, 29 जुलाई। ग्राम पंचायत चनवारीडांड़ अंतर्गत कलकलिया नाला पर स्थित पुल का लाभ ग्रामवासियों को नहीं मिल पा रहा है। बताया जाता है कि पुल का निर्माण हुए दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन एप्रोच रोड नहीं बनाए जाने के कारण पुल निरर्थक साबित हो रहा है।

ग्रामवासियों के अनुसार बरसात के दिनों में कच्चा मार्ग दलदल में तब्दील हो जाने के कारण कई दफा पुल से गुजरने की कोशिश में राहगीर एवं वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। उक्त नाला पर जब पुल का निर्माण किया जा रहा था, तब लोगों को लगा था कि बरसात के दिनों में अब इस मार्ग से गुजरने में असुविधा नहीं होगी, लेकिन बीते दो वर्षों से केवल पुल बनाकर छोड़ दिया

गया है। इस दिशा में कई बार सरपंच एवं स्थानीय प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराया गया, लेकिन आज पर्यन्त सड़क से पुल तक पहुँच मार्ग का निर्माण नहीं किया गया। वहीं हैरानी का विषय है कि इस पुल से कुछ दूरी पर पंचायत द्वारा कलकलिया नाला पर ही एक और पुल का निर्माण किया जा रहा है। ग्रामवासियों ने कहा कि एक पुल में पानी की तरह पैसा बहा दिया गया जिसका लाभ ग्रामवासियों को आज पर्यन्त नहीं मिल सका वहीं अब दूसरे पुल का निर्माण उनकी समझ से परे है।

बहरहाल विकास कार्यों के लिए सरकार के साथ ही जिन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है उनके मन्सूबे भी पाक-साफ होने चाहिए, वरना इसी तरह जनता के धन का दुरूपयोग किया जाता रहेगा।

अनुपस्थित शिक्षकों पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

कवर्धा, 29 जुलाई। कलेक्टर आर. संगीता ने नये शिक्षा सत्र में लगातार स्कूलों से अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में बोड़ला विकासखण्ड के अधिकारियों की बैठक के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने विलंब से स्कूल आने व जल्दी स्कूल से घर जाने वाले शिक्षकों पर नजर रखने बीईओ, बीआरसी को निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने स्कूली बच्चों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक प्रदाय की समीक्षा करते हुए सभी बच्चों को पाठ्यपुस्तक प्रदाय सुनिश्चित करने कहा।

कलेक्टर ने स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना के संचालन की समीक्षा करते हुए एमडीएम के चावल की गुणवत्ता जांचने खाद्य अधिकारी व नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग की बालिकाओं को शाला गणवेश प्रदाय की समीक्षा की। बोड़ला ब्लॉक के आंगनबाड़ी केन्द्रों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पर्यवेक्षकों को सेक्टर के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का लगातार दौरा कर पोषण आहार, रेडी टू ईट आहार प्रदाय सुचारू रूप से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आंगनबड़ी कार्यकर्ता को 0 से 3 साल के व 3 से 6 साल के दर्ज बच्चों की संख्या की पूरी जानकारी रखना चाहिए। कलेक्टर ने नोडल अधिकारियों को हर माह चावल उत्सव के दिन पीडीएस दुकानों का निरीक्षण करने कहा। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण की समीक्षा की गई व महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के मजदूरी भुगतान अविलंब करने निर्देशित किया गया।

हज यात्रा में जाने वालों का बीमा

चनवारीडांड़, 29 जुलाई। छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के जिला हज प्रभारी हाफिज सलाउद्दीन ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ से हज जाने वाले समस्त जायरिनों का पांच लाख रूपए का बीमा किया जा रहा है। बीमा की रकम खुद सरकार जमा करेगी हाजियों को नहीं देना पड़ेगा। यह अनूठी व बेमिसाल योजना सिर्फ छग की सरकार ने लागू किया है। भारत के किसी भी राज्य में यह योजना लागू नहीं है।

मुस्लिम समाज ने राज्य सरकार के इस कदम की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को बधाई दी है। हाफिज सलाउद्दीन ने समस्त हाजियों से प्रदेश के अमन-चैन एवं विकास के लिए दुआ करने गुजारिश की है।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

डोंगरगढ़, 29 जुलाई। समीपस्थ ग्राम करवारी के ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंप कर मजदूरी भुगतान एवं गोठान का मूल्यांकन करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि मजदूरी के साथ ही 11 जून 2009 को कराए गए कार्यों में मटेरियल भुगतान तीन दिवस के भीतर करवाने की मांग की है। साथ ही तीन दिनों के भीतर मूल्यांकन नहीं होने की स्थिति में कलेक्टर से संपर्क कर समस्या से अवगत कराने की बात कही हैं।

357.6 मि.मी औसत वर्षा दर्ज

कवर्धा, 29 जुलाई। जिले में एक जून से 28 जुलाई के मध्य 383.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक वर्षा कवर्धा तहसील में 540 मि.मी. और सबसे कम वर्षा सहसपुर लोहारा तहसील में 290 मि.मी. दर्ज की गई है। बोड़ला में 322 मि.मी., पंडरिया में 377 मि.मी. दर्ज की गई।

रथ यात्रा अमरीका में

खैरागढ़। यह तस्वीर मिशिगन (अमेरिका) से लिंकी-रोहित पाण्डे ने भेजी है। जहॉ बीते शनिवार को भारतीय पर्व रथयात्रा धूमधाम से मनाया गया। इस तरह के आयोजन से पहले यहां स्थानीय शासन-प्रशासन की अनुमति जरूरी होती है तथा ऐसा आयोजन अवकाश के दिन ही किया जा सकता है। इस आयोजन में भारतीय मूल के साथ-साथ स्थानीय गोरे लोग भी पारंपरिक भारतीय लिबास के साथ शामिल हुए। यहां जगन्नाथ जी का मन्दिर इस्कॉन टेम्पल डेट्राइट में है तथा रथयात्रा नोवई मिशिगन में निकाली गई थी क्योंकि डेट्राइट घने आबादी वाला क्षेत्र है जहॉ ट्रेफिक अधिक होता है इसलिए यात्रा कम आबादी वाले क्षेत्र नोवई मिशिगन से निकाली गई।

संक्षिप्त खबरें

हितग्राही को मिला वाहन

बैकुंठपुर, 29 जुलाई। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा गुड्स कैरियर योजना के अंतर्गत तीन प्रकरण, ट्रासंपोर्ट व्हीकल योजनान्तर्गत एक प्रकरण व ट्रेक्टर ट्राली योजना के एक प्रकरणों में कुल 18 लाख 30 हजार रू. के ऋण की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास निगम के कार्यपालन अधिकारी ने बताया है कि गुड्स कैरियर योजना के अंतर्गत विकासखण्ड बैकुंठपुर के ग्राम देवरी के प्रेमलाल ग्राम कोटकताल के निलेश कुमार तथा ग्राम बरपानी के बेचूराम को टाटा मैजिक, ट्रासंपोर्ट व्हीकल योजनान्तर्गत ग्राम डकईपारा के गुलाब चन्द्र को टाटा मैजिक व ट्रैक्टर ट्राली योजना योजनान्तर्गत ग्राम मुरमा के देवनारायण सिंह को ट्रैक्टर एवं ट्राली प्रदाय किया गया। कलेक्टर ने हितग्राही को वाहनों की चाभी सौंपी।

दोस्त निकला हत्या का आरोपी

बैकुंठपुर, 29 जुलाई। शिक्षाकर्मी विजय काशी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस जांच के बाद दोस्त ही आरोपी निकला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक पिछले साल 20 दिसंबर 09 को जिले के सोनहत विकासखंड में पदस्थ शिक्षाकर्मी वर्ग-2 विजय काशी को बेहोशी की हालत में सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था और 21 दिसंबर की सुबह उसकी मौत हो गयी थी। इस संदिग्ध मौत के बाद अस्पताल में हंगामा खड़ा हो गया था। इस मामले में पुलिस ने अपनी जांच के दौरान मृतक के कॉल डिटेल प्राप्त किए और इस तरह आरोपी पकड़ में आ गया। पुलिस के मुताबिक मृतक शिक्षाकर्मी का सोनहत क्षेत्र के ही उसके मित्र शिक्षाकर्मी प्रदीप पांडे के घर आना जाना था। मोबाइल के काल डिटेल में यह खुलासा हुआ कि मृतक विजय ने आरोपी की पत्नी को डेढ़ माह में 166 काल किए थे। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रदीप पांडे से पूछताछ की। जिस पर आरोपी ने बताया कि मृतक का उसके घर आना जाना था जिससे उसे संदेह था। घटना के दिन जब मृतक आरोपी के घर शाम के समय आया तो आरोपी ने चाय में जहर मिला कर उसे पिला दिया और फिर मृतक को बाहर ले जाकर छोड़ दिया। जिसे कुछ लोगों के द्वारा बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत ले जाया गया जहॉ उसकी सुबह के समय मौत हो गयी थी।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 18 सितम्बर को

बैकुंठपुर, 29 जुलाई। देव संस्कृति विश्व विद्यालय के तत्वाधान में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा18 सितम्बर को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा आयोजित की जायेगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने बताया है कि उक्त परीक्षा में कक्षा 5वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी सम्मिलित हो सकते है। कक्षा 5वीं एवं 6वीं के विद्यार्थियों के लिये 12 रू. एवं 7वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिये 15 रू. परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है। राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के लिये चयनित विद्यार्थियों को पुरस्कार दिया जायेगा। राज्य स्तर पर प्रथम आने वाले प्रतिभागियों को 200 रू. प्रति माह की दर से 10 माह की छात्रवृत्ति दी जायेगी एवं व्यक्तिगत विकास के प्रशिक्षण एवं शैक्षिणिक भ्रमण हेतु हरिद्वार की यात्रा कराई जायेगी।

डीएसपी ने पदभार सम्हाला, थानेदारों के तबादले

बैकुंठपुर, 29 जुलाई। जशपुर जिले से जिले में स्थानांतरित होकर आयीं नवपदस्थ उपपुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया। एसपी ने जिले के कुछ थानेदारों के तबादले भी किए हैं। पुलिस अधीक्षक ध्रुव गुप्ता ने नव पदस्थ डीएसपी मोनिका ठाकुर को अजाक, यातायात, महिला सेल, व लाईन डीएसपी का प्रभार सौंपा। मोनिका ठाकुर 2008 बैच की राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी है जो छग के धमतरी जिले की निवासी है। इधर थानेदारों के तबादले में पुलिस कप्तान ने पूर्व तबादला सूची में फेरबदल किया है। जिसमें नरहर साय को सिटी कोतवाल और खड़गवॉ थाना प्रभारी के रूप में के पी गुप्ता को भेजा जा रहा है। वही तत्कालीन सिटी कोतवाल को जिला विशेष शाखा में स्थानांतरण किया गया। इसके पूर्व जुनास बड़ा को सिटी कोतवाली प्रभारी बनाये जाने का आदेश पुलिस अधीक्षक ध्रुव गुप्ता द्वारा जारी किया गया था।

क्या फिर हादसे के बाद जागेगा प्रशासन ?

सड़क पर मौत का गड्ढा दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण

छत्तीसगढ़ संवाददाता

मनेन्द्रगढ़, 29 जुलाई। हादसे के बाद होश में आने वाले स्थानीय प्रशासन को लगता है एक बार फिर किसी गम्भीर हादसे का इंतजार है। नगर पालिका क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्र. 20 में बीच सड़क पर जानलेवा गड्ढा हो जाने से हर पल दुर्घटना का भय बना हुआ है। हैरानी का विषय है कि बार-बार ध्यानाकर्षण के बावजूद मौत के इस गड्ढे की ओर किसी भी जिम्मेदार अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि वार्ड क्र. 20 में शासकीय उचित मूल्य दुकान के समीप बीच सड़क के किनारे से होकर एक बड़ा नाला बहता है। नपा प्रशासन द्वारा उक्त नाला के बगल से एक और नाला सड़क के बीचो-बीच निकाल कर उसके ऊपर ढलाई कर दी गई है, लेकिन निर्माण कार्य इतना घटिया कराया गया कि नाला के ऊपर का स्लैब बह गया है और अब बीच सड़क में केवल गड्ढा और लोहे की सरिया ही नजर आ रही है। सड़क पर गड्ढा हो जाने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी हो रही है वहीं वाहन चालकों के इसमें गिरकर दुर्घटनाग्रस्त होने का भय बना हुआ है। बरसात का समय होने के कारण मूसलाधार बारिश होने पर नाले का गंदा पानी वार्डवासियों के घर में प्रवेश कर जाता है वहीं सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है और गड्ढे लोगों को नजर नहीं आते। ऐसे में स्कूल आते-जाते बच्चे जान हथेली पर रखकर मार्ग से आवागमन करते हैं।

यदि किसी दिन अनहोनी हुई और किसी भी बच्चे का पैर गड्ढे में गया तो पानी से बौराए उक्त नाले से बच्चे को बचाना नामुमकिन होगा। वहीं कुछ दिनों से रात्रि में स्ट्रीट लाइट न जलने से मार्ग में घुप अंधकार छाया हुआ है। इस कारण भी उक्त गड्ढा राहगीरों के लिए मौत का सबब बना हुआ है। बावजूद इसके नगर पालिका प्रशासन अकर्मण्य बना हुआ है। सनद् रहे कि हाल ही में बस के पहिए के नीचे आकर मासूम की मौत के बाद स्थानीय प्रशासन यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने दिन-रात पसीना बहा रहा है। स्कूलों के आसपास जहां ब्रेकर बना दिए गए हैं वहीं सड़क पर से अतिक्रमण हटाने अभियान छेड़ा गया है। लगता है कि मौत के इस गड्ढे में भी किसी की जान जाने के बाद ही प्रशासनिक अधिकारियों में चेतना आएगी वहीं हर बार की तरह कुछ जनप्रतिनिधि

राजनीतिक रोटियां भी सेंकने पहुँच जाएंगे। लोगों का कहना है कि घटिया निर्माण कार्य के लिए दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई करने से बचने वाला स्थानीय प्रशासन अब सड़क पर निर्मित गड्ढे में किसी की मौत के बाद ऐसे ठेकेदार को पुरस्कृत करने का इंतजार कर रहा है। वार्डवासियों एवं आम नागरिकों ने समय रहते तत्काल उक्त गड्ढे को बंद किए जाने की मांग की है।